वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 09 सितम्बर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जौनपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित

वर्ष 01, अंक 273
जौनपुर, बुधवार
09 सितम्बर, 2026
पृष्ठ 4, मूल्य 1 रूपया

उम्मीद ऑफ पब्लिक

www.ummidofpublic.com

PRGI Reg. No.: UPHIN/25/A4413



पेज : 2 भारत की नई वैश्विक छलांग...

बालिकाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वितरित की गयी पोषण किट पेज : 3

संवाद समस्या समाधान की पहली सीढ़ी: कुलपति

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि संवाद ही समस्या समाधान की पहली सीढ़ी है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की शैक्षणिक, प्रशासनिक, छात्रावास, परीक्षा, अनुशासन एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न संकायों एवं विभागों के विद्यार्थियों ने कुलपति से सीधे संवाद करते हुए अपनी समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया। कुलपति ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार उनके समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने में किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी



चाहिए। प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच खुला एवं नियमित संवाद बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित, सहयोगी एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को उचित माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखें। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने छात्र हित में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं एवं शैक्षणिक सहयोग की जानकारी दी। संवाद कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया।

उम्मीद ऑफ पब्लिक

पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों को मिला मनोवैज्ञानिक सहयोग

जौनपुर,गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के



तत्वावधान में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में राजकीय संप्रेक्षण गृह/बाल गृह, गाजीपुर में पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता एवं परामर्श कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य किशोरों को भावनात्मक सहयोग देने के साथ उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं आत्मनियंत्रण विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार, मनोवैज्ञानिक काउंसलर सुषमा मौर्या एवं शोधार्थी श्वेता गुप्ता ने किशोरों से संवाद कर व्यक्तिगत एवं सामूहिक परामर्श दिया। विशेषज्ञों ने तनाव, भय, अपराधबोध एवं नकारात्मक भावनाओं से सकारात्मक तरीके से निपटने के उपाय बताए।

डॉ. शिव कुमार ने कहा कि किशोरावस्था संवेदनशील चरण है और सही समय पर मनोवैज्ञानिक सहयोग उनके व्यक्तित्व एवं भविष्य को सकारात्मक दिशा दे सकता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय सोनी एवं संस्था अधीक्षक राम अचल मौर्य का सहयोग रहा।

कार्यक्रम समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संवेदनशील किशोरों को सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराना उनके सकारात्मक पुनर्वास एवं बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है।

उत्तर शक्ति

वीसी ने दिया समाधान का आश्वासन

पीयू

जौनपुर, हिन्दुस्तान संवाद। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र सोमवार को विभिन्न समस्याओं को लेकर कुलपति कार्यालय पहुंचे। सुबह करीब 11 बजे छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह से मुलाकात कर शैक्षणिक, आधारभूत सुविधाओं, प्रयोगशालाओं, परीक्षा और प्रशासनिक समस्याओं से संबंधित मांगें रखीं। करीब एक घंटे चली वार्ता में कुलपति ने छात्रों को प्रत्येक बिंदु पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। छात्रों ने विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी दूर करने, नियमित कक्षाओं का संचालन कराने, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, खेल सामग्री उपलब्ध कराने, प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरण मुहैया कराने और छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा समेत अन्य मांगें रखीं।

छात्रों का कहना था कि उनकी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए, ताकि पठन-पाठन और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में किसी तरह की परेशानी न हो।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने छात्रों की समस्याएं सुनते हुए कहा कि छात्रहित विश्वविद्यालय प्रशासन की प्राथमिकता है। उनकी मांगों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कक्षा प्रतिनिधियों से आठ को संवाद करेंगे कुलपति

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों के कक्षा प्रतिनिधियों (सीआर) के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह संवाद आठ सितंबर को अपराह्न 4 बजे कुलपति कार्यालय/समिति कक्ष में होगा। इस संबंध में अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के समस्त विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों, निदेशकों एवं समन्वयकों को अपने-अपने विभाग में संचालित सभी पाठ्यक्रमों के कक्षा प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

हिन्दूस्तान

संवाद समस्या समाधान की पहली सीढ़ी : कुलपति



अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि 'संवाद ही समस्या समाधान की पहली सीढ़ी है।' विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की शैक्षणिक, प्रशासनिक, छात्रावास, परीक्षा, अनुशासन एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न संकायों एवं विभागों के विद्यार्थियों ने कुलपति से सीधे संवाद करते हुए अपनी समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया। कुलपति ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार उनके समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने में किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए। प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच खुला एवं नियमित संवाद बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित, सहयोगी एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को उचित माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखें। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने छात्र हित में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं एवं शैक्षणिक सहयोग की जानकारी दी। संवाद कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया।

पॉक्सो ऐक्ट से संबंधित किशोरों को मिला मनोवैज्ञानिक सहयोग

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में राजकीय सप्रेक्षण गृह/बाल गृह, गाजीपुर में पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता एवं परामर्श कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया।

इसका उद्देश्य किशोरों को भावनात्मक सहयोग देने के साथ उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं आत्मनियंत्रण विकसित करना रहा। कार्यक्रम में राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज गाजीपुर के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार, मनोवैज्ञानिक काउंसलर सुषमा मौर्या एवं शोधार्थी श्वेता गुप्ता ने किशोरों से संवाद कर व्यक्तिगत एवं सामूहिक परामर्श दिया।

विशेषज्ञों ने तनाव, भय, अपराधबोध एवं नकारात्मक भावनाओं से सकारात्मक तरीके से निपटने के उपाय बताए। डॉ. शिव कुमार ने कहा कि किशोरावस्था संवेदनशील चरण है



और सही समय पर मनोवैज्ञानिक सहयोग उनके व्यक्तित्व एवं भविष्य को सकारात्मक दिशा दे सकता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय सोनी एवं संस्था अधीक्षक राम अचल मौर्य का सहयोग रहा।

कार्यक्रम समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संवेदनशील किशोरों को सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराना उनके सकारात्मक पुनर्वास एवं बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है।

पॉक्सो से जुड़े किशोरों को दिया मनोवैज्ञानिक परामर्श



जौनपुर धारा,जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में मंगलवार को राजकीय संप्रेक्षण गृह/बाल गृह, गाजीपुर में पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरों को भावनात्मक सहयोग देने के साथ उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और आत्मनियंत्रण विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में राजकीय महिला पीजी कॉलेज, गाजीपुर के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार, मनोवैज्ञानिक काउंसलर सुषमा मौर्या और शोधार्थी श्वेता गुप्ता ने किशोरों से संवाद किया। विशेषज्ञों ने व्यक्तिगत और सामूहिक परामर्श के माध्यम से तनाव, भय, अपराधबोध और नकारात्मक भावनाओं से सकारात्मक तरीके से निपटने के उपाय बताए। डॉ. शिव कुमार ने कहा कि किशोरावस्था संवेदनशील अवस्था होती है। सही समय पर मनोवैज्ञानिक सहयोग मिलने से किशोरों के व्यक्तित्व और भविष्य को सकारात्मक दिशा देने में मदद मिल सकती है। जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय सोनी और संस्था अधीक्षक राम अचल मौर्य का कार्यक्रम में सहयोग रहा। कार्यक्रम समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत इस तरह के कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संवेदनशील किशोरों को सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराना उनके सकारात्मक पुनर्वास और बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है।

जौनपुर धारा

संवाद समस्या समाधान की पहली सीढ़ी: कुलपति

विद्यार्थियों ने कुलपति से सीधे रखीं शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याएं, समयबद्ध समाधान के निर्देश

जौनपुर धारा,जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि संवाद ही समस्या समाधान की पहली सीढ़ी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की शैक्षणिक, प्रशासनिक, छात्रावास, परीक्षा, अनुशासन और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में विभिन्न संकायों और विभागों के विद्यार्थियों ने कुलपति से सीधे बातचीत कर अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। कुलपति ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार उनके समयबद्ध और प्रभावी



समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने में झिझक नहीं होनी चाहिए। प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच खुला एवं नियमित संवाद बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य गुणवतापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित, सहयोगी और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी समस्याएं और सुझाव उचित माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखने की अपील की। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने छात्र हित में विश्वविद्यालय की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं और शैक्षणिक सहयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया।

जौनपुर धारा

संवाद समस्या समाधान की पहली सीढ़ी: कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि 'संवाद ही समस्या समाधान की पहली सीढ़ी है।' विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की शैक्षणिक, प्रशासनिक, छात्रावास, परीक्षा, अनुशासन एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न संकायों एवं विभागों के विद्यार्थियों ने कुलपति से सीधे संवाद करते हुए अपनी समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया। कुलपति ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार उनके समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने में



किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए। प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच खुला एवं नियमित संवाद बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित, सहयोगी एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को उचित माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखें। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने छात्र हित में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं एवं शैक्षणिक सहयोग की जानकारी दी। संवाद कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया।

उत्तर शक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक **समाचार शक्ति** ■ हैदराबाद ■ 9 सितम्बर 2026

संवाद समस्या समाधान की पहली सीढ़ी: कुलपति

समाचार शक्ति । जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि संवाद ही किसी भी समस्या के समाधान की पहली सीढ़ी है। विद्यार्थियों की समस्याओं को समझकर उनका नियमानुसार समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान करना विश्वविद्यालय प्रशासन की प्राथमिकता है।

विद्यार्थियों ने खुलकर रखी अपनी समस्याएं

संवाद कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं विभागों से पहुंचे विद्यार्थियों ने कुलपति से सीधे बातचीत की। विद्यार्थियों ने शैक्षणिक व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यों, छात्रावास, परीक्षा, अनुशासन सहित विभिन्न विषयों से जुड़ी समस्याओं को उनके समक्ष रखा। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं छात्र हित से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी दिए।



गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विश्वविद्यालय का जोर

उन्होंने कहा कि संवाद के माध्यम से समस्याओं को समय रहते समझा जा सकता है और उनके समाधान के लिए उचित कदम उठाए जा सकते हैं। प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना ही नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित, सहयोगी और सकारात्मक वातावरण प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा और हित से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों को इसी दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उचित माध्यम से समस्या रखने की अपील

कुलपति ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को उचित माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखें। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने विद्यार्थियों को छात्र हित में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी। संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाएगा।

प्रशासन और विद्यार्थियों में संवाद जरूरी

- कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच खुला एवं नियमित संवाद बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने में किसी भी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए।

समस्याओं को गंभीरता से सुनकर दिए निर्देश



कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों की ओर से रखी गई प्रत्येक समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की समस्याओं का नियमानुसार परीक्षण कर उनका समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यार्थी को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए।

समाचार शक्ति

पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों को मिला मनोवैज्ञानिक सहयोग

कौटिल्य का भारत



जौनपुर/गाजीपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में राजकीय संप्रेक्षण गृह/बाल गृह, गाजीपुर में पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता एवं परामर्श कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य किशोरों को भावनात्मक सहयोग देने के साथ उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं आत्मनियंत्रण विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार, मनोवैज्ञानिक काउंसलर सुषमा मौर्या एवं शोधार्थी श्वेता गुप्ता ने किशोरों से संवाद कर व्यक्तिगत एवं सामूहिक परामर्श दिया। विशेषज्ञों ने तनाव, भय, अपराधबोध एवं नकारात्मक भावनाओं से सकारात्मक तरीके से निपटने के उपाय बताए।

डॉ. शिव कुमार ने कहा कि किशोरावस्था संवेदनशील चरण है और सही समय पर मनोवैज्ञानिक सहयोग उनके व्यक्तित्व एवं भविष्य को सकारात्मक दिशा दे सकता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय सोनी एवं संस्था अधीक्षक राम अचल मौर्य का सहयोग रहा। कार्यक्रम समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संवेदनशील किशोरों को सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराना उनके सकारात्मक पुनर्वास एवं बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है।

कौटिल्य का भारत

संवाद समस्या समाधान की पहली सीढ़ीः कुलपति



अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि ÷संवाद ही समस्या समाधान की पहली सीढ़ी है।÷ विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की शैक्षणिक, प्रशासनिक, छात्रावास, परीक्षा, अनुशासन एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

संवाद कार्यक्रम में विभिन्न संकायों एवं विभागों के विद्यार्थियों ने कुलपति से सीधे संवाद करते हुए अपनी समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया। कुलपति ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार उनके समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने में किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए। प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच खुला एवं नियमित संवाद बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित, सहयोगी एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को उचित माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखें।

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने छात्र हित में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं एवं शैक्षणिक सहयोग की जानकारी दी।